TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

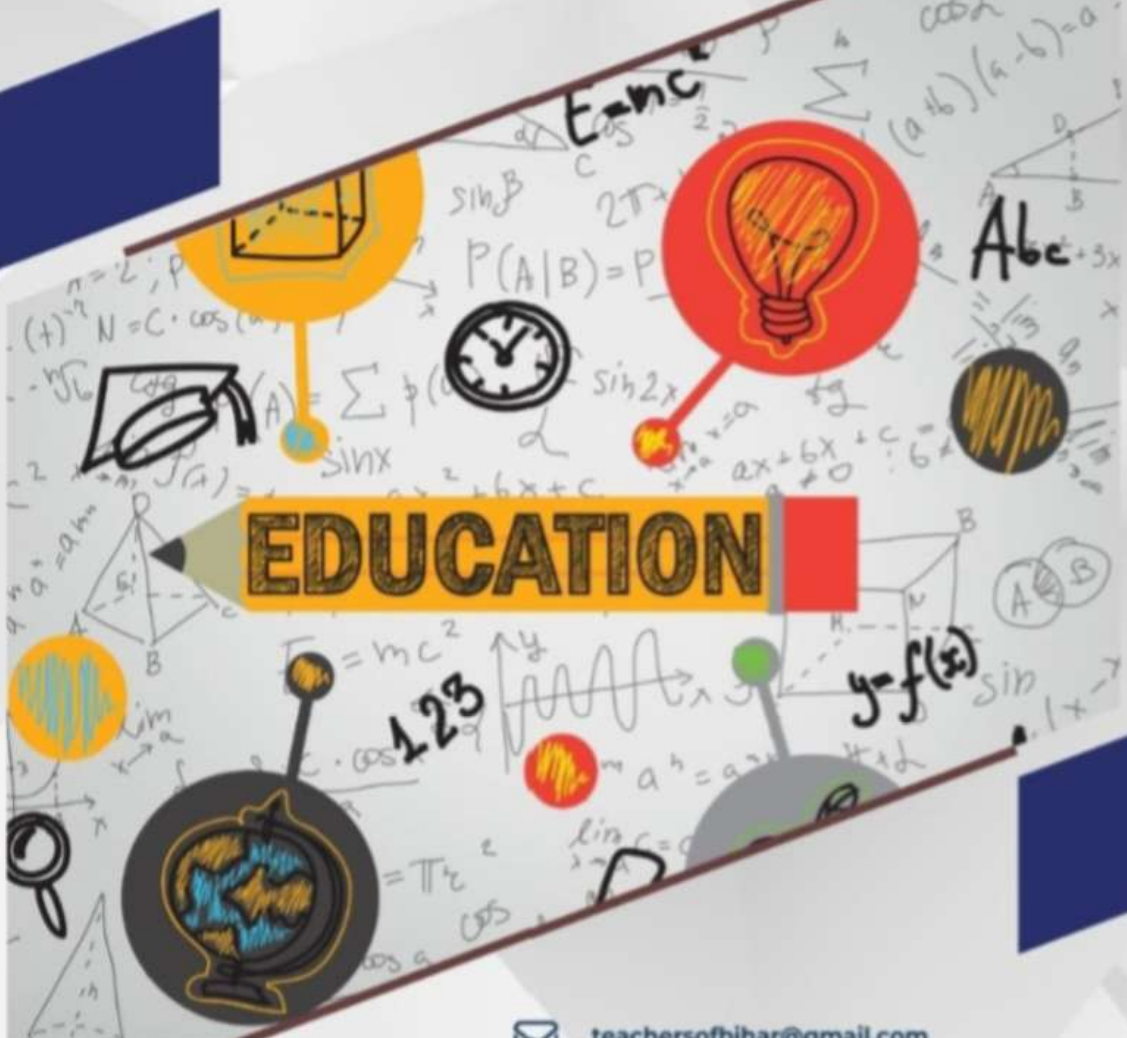

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

13 जुलाई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

एक समय में एक ही काम करो और पूरी निष्ठा और लगन से करो, बाकी सबकुछ भुला दो।

स्वामी विवेकानंद जी

राकेश कुमार

दिवस विशेष

13 जुलाई

मधु प्रिया

उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का निधन 13 जुलाई

आशापूर्णा देवी का जन्म 8 जनवरी 1909 को पश्चिमी बंगाल के कलकत्ता में हुआ था। उनका परिवार कट्टरपंथी था इसलिए उन्हें स्कूल और कॉलेज जाने का सुअवसर नहीं मिला। लेकिन बचपन से ही उन्हें पढ़ने-लिखने और अपने विचारों की अभिव्यक्ति की सुविधाएँ प्राप्त हुई। उनके घर में नियमित रूप से अनेक बांग्ला पत्रिकाएँ जैसे: प्रवासी, भारतवर्ष, भारती, मानसी-ओ मर्मबानी, अर्चना, साहित्य, सबूज पत्र आदि आती थी। जिनका अध्ययन और चिंतन उनके लेखन की नींव बना। उन्होंने 13 वर्ष की अवस्था से लेखन प्रारम्भ किया और आजीवन साहित्य रचना से जुड़ीं रहीं।कला और साहित्यिक परिवेश की वज़ह से उनमें संवेदनशीलता का भरपूर विकास हुआ। आशापूर्णा देवी की कर्मभूमि पश्चिमी बंगाल थी। उनका पहला कहानी-संकलन "जल और जामुन" 1940 में यहीं से प्रकाशित हुआ था। उस समय यह कोई नहीं जानता था कि बांग्ला ही नहीं, भारतीय कथा साहित्य के मंच पर एक ऐसे नक्षत्र का आविर्भाव हुआ है जो दीर्घकाल तक समाज की कुंठा, संकट, संघर्ष, जुगुप्सा और लिप्सा-सबको समेटकर सामाजिक संबंधों के हर्ष, उल्लास और उत्कर्ष को नया आकाश प्रदान करेगा। उनकी कहानियाँ पात्र, संवाद या घटनाओं का जमघट नहीं हैं, परंतु जीवन की किसी अनकही व्याख्या को व्यंजित करती हैं और इस रूप में उनकी एकदम अलग पहचान है।उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का निधन 13 जुलाई 1995 को हुआ।

पुण्यतिथि विशेष **13** जुलाई

आशापूर्णा देवी

ज्ञानपीठ पाने वाली पहली महिला साहित्यकार

आशापूर्णा देवी *Ashapoorna Devi*, जन्म: 8 जनवरी, 1909, कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता); मृत्यु: 13 जुलाई, 1995) बांग्ला भाषा की प्रख्यात उपन्यासकार थीं, जिन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में लिखना प्रारंभ कर दिया था और तब से ही उनकी लेखनी निरंतर सक्रिय बनी रही।

TOB खेल कॉर्नर

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक

खिलाड़ी	मैच	शतक
सचिन तेंदुलकर (IND)	200	51
जैक्स कैलिस (SA/ICC)	166	45
रिकी पोंटिंग (AUS)	168	41
कुमार संगकारा (SL)	134	38
जो रूट (ENG)	156	37

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 13.07.2025

विचारात्मक संवाद

विचारात्मक संवाद, जिसे अंग्रेजी में 'डायलॉजिकल कन्वर्सेशन' कहते हैं, एक ऐसी बातचीत है जिसमें दो या दो से अधिक लोग अलग-अलग दृष्टिकोणों और विचारों को साझा करते हैं, एक-दूसरे को समझने की कोशिश करते हैं और एक-दूसरे के विचारों पर विचार करते हैं। यह एक-दूसरे के साथ बहस करने या किसी एक व्यक्ति को मनाने के प्रयास से अलग है; बल्कि, यह एक सहयोगी प्रक्रिया है जिसमें आपसी समझ और ज्ञान का विकास होता है।

www.teachersofbihar.org राकेश कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

पद्य पंकज

"

"सोचा" था "घर "
बनाकर बैठूंगा सुकून से.....
पर घर की जरूरतों ने
"मुसाफिर" बना डाला!!!!
"सुकून" की बात
मत कर ऐ गालिब.....
बचपन वाला "इतवार"
अब नहीं आता

हरिवंशराय बच्चन

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

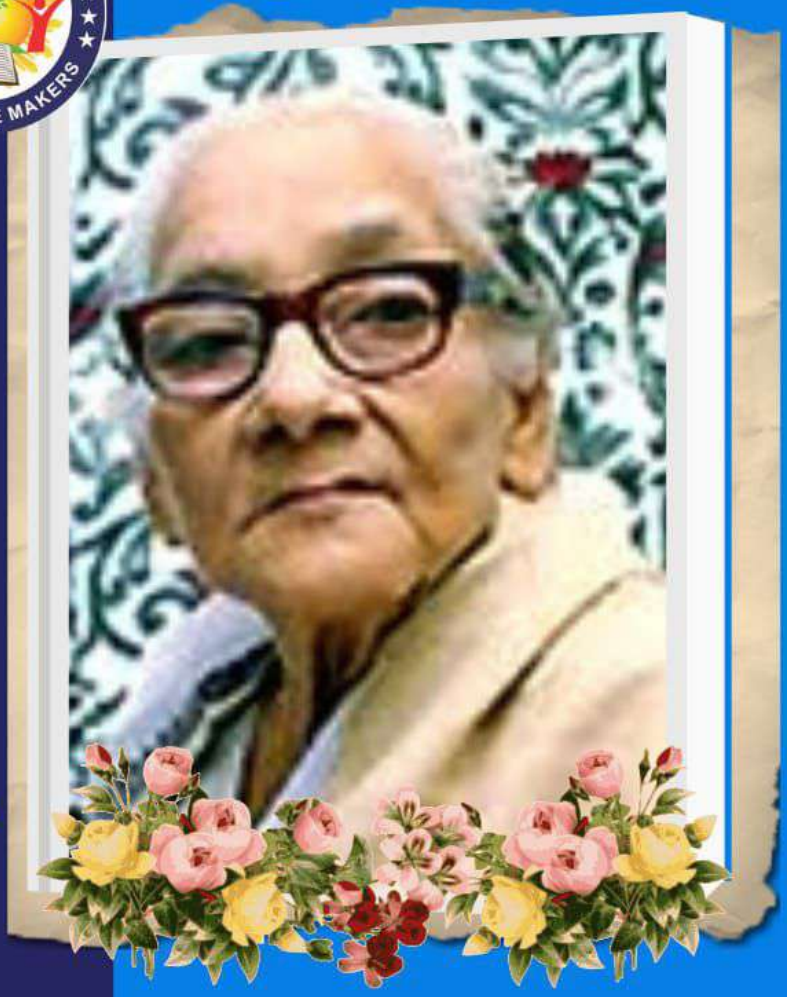

भारत से बांग्ला भाषा की
कवयित्री और उपन्यासकार
ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने
वाली पहली भारतीय महिला

आशा पूर्णा देवी

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

8 जनवरी 1909 - 13 जुलाई 1995

www.teachersofbihar.org

Madhu priya